

## सांवरे से मिलने का सत्संग ही बहाना है

सावरे से मिलने का सत्संग ही बहाना है ।  
सारे दुःख दूर हुए, दिल बना दीवाना है ।  
चलो सत्संगे में चलें, हमे हरी गुण गाना है ॥

कहाँ कहाँ ढूँढा तुझे, कहाँ कहाँ पाया है ।  
भक्तों के हृदय में मेरे श्याम का ठिकाना है ॥

राधा ने पाया तुझे मीरा ने पाया तुझे ।  
मैंने तुझे पा ही लिया, मेरे दिल में ठिकाना है ॥

सत्संगे में आ जाओ, संतो संग बैठ जाओ ।  
संतों के हृदय में, मेरे श्याम का ठिकाना है ॥

मीरा पुककर रही, आवो मेरे बनवारी ।  
विष भरे प्याले को, तुने अमृत बनाना है ॥

शबरी पुककर रही, आओ मेरे रघुराई ।  
खट्टे मीठे बेरों का तोहे भोग लगाना है ॥

द्रोपती पुकार रही, आवो मेरे कृष्णाई ।  
चीर को बढाना है, तुम्हे लाज को बचाना है ॥

मथुरा में ढूँडा तुझे, गोगुल के पाया है ।  
वृन्दावन की गालिओ में मेरे श्याम का ठिकाना है ॥

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/d/25428/title/sanware-se-milne-ka-satsang-he-bahana-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |